

SHIV NARAIN METROTIA

میں نے اپنے والدین سے مل کر یہ رقم لکھ کر لیا ہے اور اسے اپنے والدین کو
دیا ہے اور وہ اسے اپنے والدین کو دیا ہے اور وہ اسے اپنے والدین کو دیا ہے

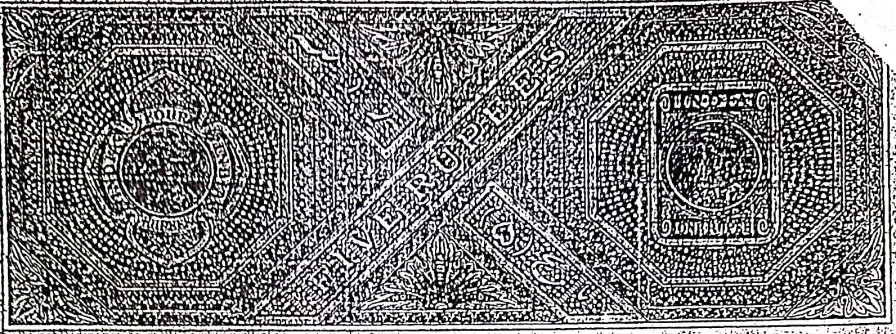
۱۹۱۲ء کو جب میں نے اپنے والدین سے مل کر یہ رقم لکھ کر لیا ہے اور اسے اپنے
والدین کو دیا ہے اور وہ اسے اپنے والدین کو دیا ہے اور وہ اسے اپنے والدین کو دیا ہے

میں نے اپنے والدین سے مل کر یہ رقم لکھ کر لیا ہے اور اسے اپنے والدین کو
دیا ہے اور وہ اسے اپنے والدین کو دیا ہے اور وہ اسے اپنے والدین کو دیا ہے

میں نے اپنے والدین سے مل کر یہ رقم لکھ کر لیا ہے اور اسے اپنے والدین کو
دیا ہے اور وہ اسے اپنے والدین کو دیا ہے اور وہ اسے اپنے والدین کو دیا ہے

میں نے اپنے والدین سے مل کر یہ رقم لکھ کر لیا ہے اور اسے اپنے والدین کو
دیا ہے اور وہ اسے اپنے والدین کو دیا ہے اور وہ اسے اپنے والدین کو دیا ہے

Vertical text on the right margin, possibly a signature or date.



पांच सुषया

۱۔ حق اور انصاف کا حصول اور سچائی کا رستہ اختیار کرنا
 ۲۔ علم حاصل کرنا اور اس کا صحیح استعمال کرنا
 ۳۔ اپنی زبان سے سچائی اور نیکی کا بیان کرنا
 ۴۔ اپنی دل سے سچائی اور نیکی کا خیال رکھنا
 ۵۔ اپنی جان سے سچائی اور نیکی کا تحفظ کرنا

Handwritten marginal note on the right side.

Handwritten marginal note on the right side.

मायाकि रामप्राव वल्ल विहारो भीम भुसो माकिन मोजा वैरीअभरपुर
परगना व जिता धानपुर व मुगम्मात कोशिल्या क्या रामगैरो भीम भुसो
माकिन मोजा वैरी अभरपुर परगना व जिता धानपुर के है। वाजे छोकि मुकिरान
मालिक काकिन स धिता वाग नंबरो हाऊ पांत सो तेतिस तादादी तीन
बापा बारह विस्वा फुए पिस्वासी वाकेमोजा वैरी अभरपुर वांगर मुशल
सूरज प्रसाद परगना व जिता धानपुर कदर दोक्टा तीन मे कुज मुकिर
के जोर कोइ दूसरा मखेम व शोक हकदार व हिलोदार नही है जोर
हनुकिरान की हर भिसम के अखिल्यारात मुतकिलो हासिल है जोर वाग
मज्दूर कहे रहत व अथ व मुस्तगरफ कमानत कोरह नही है गरजे कि
जुमला अकाम के बार मुआखिजा जात से पाक व साफ है जोर न किसी शरख
की डिगरी मे कुक व वामरो नोलाम है हरहाल वहालत सेहत जात व सवात
अकल कुरुस्तो होश व हवास किला जत्र व हकराह व दाव नाजायज के
वाग मुन्दराजा व मुफस्सिला जेल मय जुमना हक व कुक दासिली व खागिजो
हाऊ व आयदा किला हस्तशाय किसी शय व हक के वगरज हसराजात सानगो
विलखज मुबलिंग दो हजार 2000 रूपया मिकका बहरा शाही कि निस्फ जिपके

मुबल्लिग 1000) एक हजार रूपया गिफ्टा मौसूफा होते हे कस्त वावु शिव-

नारायण मेण्गोत्रा कल्प वावु खेगामत्र मेण्गोत्रा मास्त्रि बायनिगर शहर

कानपुर फारोस्त भिष्या वेवेवडाळा ओर कुल जौ समन नक्षद कस्त रजिस्टरी

पालिये अब जिम्मे मुश्तरी एक हव्वा वाकत जर समन वाकी नहो रहा ।

मिनमुकिरान ने अपता कल्या भाग मुबहया मे छटा का मुश्तरी मौसूफ के कव्वा

मे देदिया ओर भिस्का अपीकाविज व दसोल करा दिया अब किसी किसी का

हक व हिस्सा मिनमुकिरान का शय मुबहया मे वाकी नहो रहा वातकदोर

कोई दूसरा सहीम व शरीक हकदार व हिस्सेदार होकर इस्तफाक जाहिर करे

जिसकी कजह से कुल या जुज शय मुबहया कव्वा मुश्तरी से निकल जावे या

कोई बार मुश्तरी की जिम्मगी समुकिरान अपा करता पडे तो मुश्तरी की

अस्तियार है कि वह कुल या जुज जर समन मय रकम नक्षद उदा करता

करजाउ कालिश व नोत्राम अजा जायदाद मनकूला व गैरमनकूला मय हाजा

व सरवा के ख्वाह जिम तरह से बाहे कपूल कर लैवे हममे किसी किसी का

उजुर मुक्तिरान व चारिसान व चामप मुकामान मुक्तिरान को न छोडा ।

उव मुक्तीरो की अस्तियाग हे कि कसराण नाम लपुक्तिरान मुक्तीरो अपना

नाम दर्ज कागजात सरकारी करा देवे ।

किताभा सए रुद कडमा करीक बयनामा कर्तई के लिख

दिया कि सनक ही ओर कत पर काम आवे फक्त ।

तफसील वाग नंबरी जेल वाके मोजा केरी अब्बापुर वांगर मुहान

सूरजप्रसाद परगना कानपुर ककर दोक्ता तीन ।

2:3

नंबर माकि

नंबर हाल

रकबा

लगान

नौसीवहत्तर 972

पांच सौ तीतिस 533

ती नवीपावारहविस्वा

किलालगानी

नौसीतिहत्तर 973

पंद्रह विस्वासी

वागारियाया

तहरीर तारीख 23 मई मन् 1947 ई० कलम कामताप्रसाद कोशिकानवीसकानपुर

दः रामप्रसाद ककमरुसुद

नि अ. पु. कीशित्या

गवाह-

हः अमरसिंह

गवाह

हः वहादुरसिंह

हल रामप्रसाद व. सुव

नि 3. सु. कोशिल्या व. रामप्रसाद व. सुव नि 3. सुसम्पात कोशिल्या

110 तारीख 23 मई सन् 1947 कागज कीमती तोग रूपया 30) रामप्रसाद वल्द

विहारी साकिन वैरी अब्दुलपुर परगना व जिला कानपुर के ववा दः उमादत्त

ले. कवेहरी कानपुर

111 तारीख 23 मई सन् 1947 दः कागज कीमती पांच रूपया हाथ राम प्रसा

वल्द विहारी साकिन वैरी अब्दुलपुर परगना व जिला कानपुर के ववा उमादत्त ले. कवे

कानपुर 113- तारीख तस- 23 मई सन् 1947 कागज कीमती साठे तीन रूपया

हाथ रामप्रसाद वल्द विहारी साकिन वैरी अब्दुलपुर परगना व जिला कानपुर के ववा

दः उमादत्त ले. कवेहरी कानपुर.

रामप्रसाद वल्द विहारी कोम कुर्मो पेशा जमोदारी साकिन वैरी अब्दुलपुर परगना

कानपुर ने दफतर सब रजिस्टार कानपुरपेशाज कतारीख 23 मई सन् 1947 पाके

3 वने क्षिप्त के पेश की । हः सवरजि. 23-5-47

मुसम्मत कौशिल्या देवा रामसेनेछी कोम कुम्भी पेशा जमीदारी साकिन
 धैरीजबरपुर जिला कानपुरने एजनाल किममे करी मुनलिंग 2000)
 नकदमेरे हबेर कूल पम्बरु पायो शिशाख सुकिरान मजदूरन की जपर
 सिंह बल्ल तुकसी राम सिंह कोम ठापुर पेशा जमीदारी साकिन धैरी
 जबरपुर मजदूरने की श्री राधामोहन बल्ल रामप्रसाद कोम कुम्भी
 पेशा सेतो साकिन धैरी जबरपुर मजदूरने की ।

ह. ए. स्व. अलवी म. र.

23-5-47

द: रामप्रसाद कलम सुद

मुठ्ठा मुसम्मत कौशिल्या सुकिरा नाखावा

ह: अनरसिंह व नि अ.

राधामोहन के हतावार व नि अ.

मुन्दरजावाला निशानात वाजाका लियेगये है अरगवाहान
 क्वाहिर मातबर मासूम होते है ।

ह: म. र. ए. स्व. अलवी

23-5-47

रजिस्टर नंबर 1 जिल्द 1418 के सफात 37 व 38 मे नंबर
 1398 पर आज कारीस 26 मई सन् 1947 के रजिस्टरी की गई ।

ह: सब रजि. ए. स्व. अलवी